माँ बेटी को चोदने की इच्छा-43

“

तो उन्होंने बिना बोले ही अपनी नाइटी उतार दी और मेरे गालों को चूमते हुए मेरे सीने तक आईं और फिर दोबारा ऊपर जाते हुए मेरी गरदन पर अपनी

जुबान को फेरते हुए धीरे से बोलीं- अब सोचना नहीं बल्कि करना है.. आज ऐसा चोदो कि मेरा खुद पर काबू न रहे..

तभी एकाएक झटके से मैंने उन्हें बिस्तर पर लिटा दिया और उनके ऊपर आ कर उनके होंठों को चूसने लगा।

”

…

Story By: (tarasitara)
Posted: शुक्रवार, जुलाई 17th, 2015
Categories: पड़ोसी
Online version: माँ बेटी को चोदने की इच्छा-43

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

माँ बेटी को चोदने की इच्छा-43

अभी तक आपने पढ़ा…

मैं तो सीधा कमरे में जा कर लेट गया.. पर माया शायद फिर से दरवाज़े के बाहर खड़े होकर दोनों को समझाने में लगी हुई थी।

अब उसे समझाने दो.. तब तक मैं आपको बताता हूँ कि रूचि में ऐसा मैंने क्या देख लिया था.. जो मेरा लौड़ा फिर से चौड़ा होने लगा था। तो आपको बता दूँ जैसे दरवाज़ा खुला.. तो मेरी पहली नज़र रूचि की जाँघों पर पड़ी.. जो कि चुस्त लैगीज से ढकी थी.. उसकी दूधिया जाँघें उसमें से साफ़ झलक रही थीं और जब मेरी नज़र उसके योनि की तरफ पहुंची तो मैं देखता ही रह गया.. उसने आज नीचे चड्डी नहीं पहने हुई थी। जिससे उसकी चूत भी फूली हुई एकदम गुजिया जैसी साफ़ झलक रही थी।

मैं तो देखते ही खुद पर से कंट्रोल खो बैठा था.. अगर शायद उस वक़्त विनोद वहाँ न होता तो मैं उसकी गुजिया का सारा मीठापन चूस जाता। फिर जब मेरी नज़र उसके चेहरे पर पड़ी तो वो किसी परी की तरह नज़र आ रही थी। उसके बाल पोनी टेल की तरह बंधे हुए थे और बालों की लेज़र कट उसे खूबसूरत बना रही थी। उसके होंठ भी गजब के लग रहे थे.. मेरा तो जी कर रहा था कि मैं इनका रस अभी चूस लूँ.. मसल के रख दूँ उसकी अलहड़ जवानी को..

पर मैं दोस्त के रहते ऐसा कर न सका। हाँ.. इतना जरूर हुआ कि वो भी मेरी चक्षु-चुदाई से बच न सकी.. आँखों ही आँखों में मैंने उसे अपने अन्दर चल रहे

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उफान को जाहिर कर दिया था.. जिसे रूचि ने मेरे अकड़ते लंड को देखकर जान लिया था। उसकी मुस्कराहट उस पर मोहर का काम कर गई थी।

उस समय उसके चूचे तो क़यामत लग रहे थे। वो टी-शर्ट तो नहीं.. पर हाँ उसके जैसा ही टचूनिक जैसा कुछ पहना हुआ था.. जिसमें उसकी चूचियों का उभार आसमान छूने को मचल रहा था। उसकी इस भरी जवानी का मैं कायल सा हो गया था और इन्हीं बातों को सोचते-सोचते मेरी आँखें बंद हो चली थीं। मेरा हाथ मेरे सामान को सहला रहा था कि तभी माया आंटी अन्दर आईं और 'धम्म' से दरवाज़ा बंद किया।
इसी के साथ में स्वप्न की दुनिया से बाहर आया।

अब आगे..

जैसे ही मेरी आँखें खुलीं.. तो मैंने आंटी का मुस्कुराता हुआ चेहरा सामने पाया..
मैंने उनसे पूछा- क्या हुआ.. आप इतना मुस्कुरा क्यों रही हो ?
तो वो बोलीं- बस ऐसे ही..
मैं बोला- अच्छा.. ऐसा भी भला होता है क्या ?
तो वो बोलीं- तुम सो गए थे क्या ?
मैंने भी बोला- नहीं.. बस आँखें बंद किए हुए लेटा था..

तो वो बोलीं- क्यों ?
मैंने भी बोल दिया- बस ऐसे ही..
बोलीं- तुम भी न.. चूकते नहीं हो.. तुरंत ही कुछ न कुछ कर ही देते हो..
तो मैं बोला- तो फिर बताओ न.. कि अभी क्यों हँस रही थीं ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वो बोलीं- अरे मैं तो इसलिए हँस रही थी.. क्योंकि तुम ऐसे लेटे हुए थे जैसे काफ़ी थक गए हो..
मैं तुरंत ही उठा और उनके चूचे मसलते हुए बोला- अब इनके बारे में क्या सोचोगी।

तो उन्होंने बिना बोले ही अपनी नाइटी उतार दी और मेरे गालों को चूमते हुए मेरे सीने तक आईं और फिर दोबारा ऊपर जाते हुए मेरी गरदन पर अपनी जुबान को फेरते हुए धीरे से बोलीं- अब सोचना नहीं बल्कि करना है.. आज ऐसा चोदो कि मेरा खुद पर काबू न रहे..

तभी एकाएक झटके से मैंने उन्हें बिस्तर पर लिटा दिया और उनके ऊपर आ कर उनके होंठों को चूसने लगा।
अब माया भी मेरा भरपूर साथ दे रही थी.. लगातार उसके हाथ मेरी पीठ सहला रहे थे.. उसकी चूत मेरा औज़ार से रगड़ खा रही थी और उसकी टाँगें मेरी कमर पर बँधी हुई थीं। उसके गुलाबी होंठ मेरे होंठों को चूस और काट कर रहे थे.. माहौल अब इतना रंगीन हो चुका था कि दोनों को भी रुकने का मन नहीं था। अगर कुछ था तो वो था जज्बा.. एक-दूसरे को हासिल करने का।

तभी माया ने देर न लगाते हुए अपने हाथों को मेरे लोवर पर रख दिया और धीरे से उसे नीचे की ओर खींचने लगी।
मैं भी अपने आप को संभालते हुआ खड़ा हुआ और अपना लोवर उतार दिया।

मेरे लोवर उतारते ही आंटी ने मेरा हाथ खींचकर मुझे नीचे लिटा दिया और अपने हाथों से मेरे औज़ार को सहलाते हुए एक शरारती और कातिल मुस्कान दी।
तो मैंने भी उनके मम्मे भींच दिए जिसका उन्हें शायद कोई अंदाजा न था तो उनके मुँह से चीख निकल गई ‘आहह्ह्ह्ह..’
इसी के साथ ही मैंने उनके चूचे छोड़ दिए मेरे चूचे छोड़ते ही वो बोलीं- तूने तो आज जान ही निकाल दी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वो अपने चूचे को मेरी ओर दिखाते हुए बोलीं- देख तूने इसे लाल कर दिया.. इतनी बेरहमी अच्छी नहीं होती.. आराम से किया कर न..

तो मैंने उनके उसी चूचे के निप्पल को अपनी जुबान से सहलाते हुए बोला- धोखा हो जाता है.. कभी-कभी तेज़ी में गाड़ी चलाते समय तुरंत ब्रेक नहीं लग पाती..
इसी तरह वो झुकी और उन्होंने मेरे होंठों को चूसते हुए पोजीशन में आने लगीं।
मतलब कि उन्होंने मेरे ऊपर लेटते हुए होंठों को चूसते हुए अपने घुटनों को मेरी कमर के बाज़ू पर रखा और चूसने लगीं।

इस चुसाई से मैं इतना बेखबर हो चुका था कि मुझे होश ही न रहा कि कब उन्होंने अपनी कमर उठाई और मेरे सामान को अपनी चूत रूपी सोख्ते से सोख लिया।
उनकी चूत इतनी रसभरी थी और मेरे से चुद-चुद कर उसने मेरे लण्ड की मोटाई भाँप कर मुँह फैलाने लगी थी।
तभी उन्होंने धीरे-धीरे मेरे औज़ार को अन्दर लेते हुए आधा घुसवाया और पुनः बाहर थोड़ा सा निकालकर तेज़ी से जड़ तक निगल लिया।

जिससे मेरे औज़ार ने भी उनकी बच्चेदानी में चोट पहुँचाते हुए उनके मुँह से 'शीईईई ईएऐ..' की चीख निकलवा दी।
इसी के साथ उनका दर्द के कारण चुदने का भूत कुछ कम हो गया।

अब मैंने होश में आते हुए अपने दोनों हाथों को उनकी कमर पर जमा दिए.. फिर तभी मैंने हल्का सा सर को ऊपर उठाया और उनकी गरदन को चूसते हुए फुसफुसाती आवाज़ के साथ कहा- अभी आप आगे का मोर्चा लोगी.. या मैं ही कुछ करूँ?

तो वे भी सिसियाते हुए मुझे चूमने लगीं.. और धीरे-धीरे 'लव-बाइट' करते हुए अपनी कमर को ऊपर-नीचे करने लगीं।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वे अपने दोनों हाथों को मेरे कन्धे पर टिका कर आराम से चुदाई का आनन्द लेते हुए सिसियाए जा रही थीं ‘आअह्ह्ह.. शीएऐसीईईई..’
यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !
मेरे हाथ उनकी पीठ को ऊपर से नीचे की ओर सहला रहे थे और जैसे ही मेरा हाथ उनके चूतड़ों के पास पहुँचता तो मैं उस पर हल्की सी चमेट जड़ देता.. जिससे उनका और मेरा दोनों का ही जोश बढ़ जाता और मुँह से ‘अह्ह्ह्ह..’ की आवाज़ निकल जाती।

इसी तरह मज़े से हमारी चुदाई कुछ देर चली कि अचानक से माया ने अपनी कमर को तेज़ी से मेरी जाँघों पर पटकते हुए मुँह से तरह-तरह की आवाजें निकालना आरम्भ कर दीं ‘अह्ह ह्ह्ह्ह… ऊओऔ.. अम्म म्मम.. श्हि.. ऊओह्ह्ह.. ऊऊऊ.. ह्ह्ह्ह्ह..’

जिसके परिणाम स्वरूप मुझे ये समझते हुए देर न लगी कि अब ये अपनी मंज़िल से कुछ पल ही दूर है।
मेरे देखते ही देखते उनके आंखों की चमक उनकी पलकों से ढकने लगी।
‘अह्ह्ह.. आह..’ करते हुए आनन्द के अन्तिम पलों को अपनी आँखों में समेटने लगीं।

उस दिन उनको उनकी जिंदगी में पहली बार इतना बड़ा चरमानन्द आया था.. जो कि उन्होंने बाद में मुझे बताया था।
अब इसके पीछे एक छोटा सा कारण था जो कि मैं आगे बताऊँगा.. अभी आप चुदाई का आनन्द लें।

उनके स्खलन के ठीक बाद मैंने अपनी जाँघों पर गीलापन महसूस किया और इसी के साथ वो अपनी आँखें बंद किए हुए ही मेरे सीने पर सर टिका कर निढाल हो गईं।

मैं उनके माथे को चूमते हुए उनकी चूचियों को दबाने लगा.. जिसे वो छुड़ाने के लिए वो अपनी कोहनी से मेरे हाथ को हटाने लगीं।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने पूछा- क्या हुआ ?

तो वो बोलीं- कुछ नहीं.. बस ऐसा लग रहा है.. आज मैं काफी हल्का महसूस कर रही हूँ.. अब बस तुम कहीं भी छू रहे हो तो गुदगुदी सी लग रही है।
मैंने बोला- अच्छा.. तुम्हारा तो हो गया.. पर मेरा अभी बाकी है.. तो क्या मुँह से करोगी ?

तो बोलीं- नहीं.. अब मैं कुछ देर हिल भी नहीं सकती.. पर हाँ तुम्हारे लिए मैं एक काम करती हूँ.. थोड़ा कमर उठा लेती हूँ.. तुम नीचे से धक्के लगा लो।

तो मैंने 'हाँ' में सर हिला दिया.. तभी उन्होंने अपनी कमर को हल्का सा उचका लिया और अपने मुँह को मेरी गरदन और कंधों के बीच खाली जगह पर ले जाते हुए पलंग के गद्दे से सटा दिया ताकि उनके मुँह की आवाज़ तेज़ न निकले।

अब बारी मेरी थी.. तो मैंने भी उनकी पीठ पर अपने हाथों से फन्दा बनाते हुए अपनी छाती से चिपकाया और तेज़ी से पूरे जोश के साथ अपनी कमर उठा-उठा कर उनकी चूत की ठुकाई चालू कर दी।

इससे जब मेरा लौड़ा चूत में अन्दर जाता तो उनका मुँह थोड़ा ऊपर को उठता और 'आह ह्ह्ह्ह..' के साथ वापस अपनी जगह चला जाता। इस बीच उनके मुँह से जो गर्म साँसें निकलतीं.. वो मेरे कन्धे और गरदन से टकरातीं.. जिससे मेरा शरीर गनगना उठता।

'अह्ह्ह ह्हह्ह्ह.. श्ह्ह्ह्ह.. और तेज़.. फिर से होने वाला है..' उनकी इस तरह की आवाजें सुनकर मेरा जोश बढ़ता ही चला जा रहा था।

अब शायद उनमें फिर से जोश चढ़ने लगा था.. क्योंकि अब वो भी अपनी कमर हिलाने लगी थीं.. पर मैंने चैक करने लिए उसके चूचे फिर से दबाने चालू किए और इस बार उन्होंने मना नहीं किया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जबकि पहले वहाँ हाथ भी नहीं रखने दे रही थीं.. पर मैं अब फिर से भरपूर तरीके से उसके मम्मे मसल रहा था।

तभी अचानक वो फिर से झड़ गईं.. तो फिर मैंने उसे अपने नीचे लिटाया और फुल स्ट्रोक के साथ चोदने लगा। फिर कुछ ही धक्कों के बाद ही मेरी भी आँखों के सामने अंधेरा सा छा गया और माया की बांहों में खोते हुए उसके सीने से अपने सर को टिका दिया।

अब माया मेरी पीठ सहलाते हुए मेरे माथे को चूमे जा रही थी और जहाँ कुछ देर पहले 'अह्ह हह्ह्ह्ह.. श्ह्ह्ही.. ईईएएऐ.. ऊऊओह.. फक्च.. फ्छ्झ.. पुच.. पुक..' की आवाजें आ रही थीं.. वहीं अब इतनी शांति पसर चुकी थी.. कि सुई भी गिरे तो उसके खनकने आवाज़ सुनी जा सकती थी।

अब आगे क्या हुआ यह जानने के लिए उसके वर्णन के लिए अपने लौड़े और चूतों को थाम कर कहानी के अगले भाग का इंतज़ार कीजिएगा.. तब तक के लिए आप सभी को राहुल की ओर से गीला अभिनन्दन।
आप सभी के सुझावों का मेरे मेल बॉक्स पर स्वागत है और इसी आईडी के माध्यम से आप मुझसे फेसबुक पर भी जुड़ सकते हैं।

tarasitara28@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

पड़ोस वाली अकेली आंटी की चुत का मजा

दोस्तो, मेरा नाम रवि है. मेरी उम्र 23 साल है और मैं मुंबई का रहने वाला हूँ. आज मैं आपको मेरी देसी चुदाई की कहानी बताने जा रहा हूँ कि कैसे मैंने अपनी पड़ोस वाली आंटी की प्यास बुझाई. पड़ोस […]
Full Story >>>

कुलीग लड़की के साथ एडल्ट वाली मस्ती

हेलो दोस्तो, मैं नील पुणे से एक बार फिर से आया हूँ मेरी हिंदी एडल्ट कहानी में मेरा एक और अनुभव आप लोगों से बांटने के लिए. मेरी पिछली कहानी थी. लिफ्ट देकर चूत मिली उस कहानी में आपने पढ़ा […]
Full Story >>>

सम्भोग से आत्मदर्शन-23

नमस्कार दोस्तो, अब तक आपने प्रेरणा की चुदाई और बाबा की गिरफ्तारी तक की हिंदी एडल्ट कहानी पढ़ी. अब आश्रम के अंदर की बातों और छोटी से जुड़ी बातों को और विस्तार से जानने आ वक्त आ गया था। लेकिन […]
Full Story >>>

आंटी की चुदाई : गर्लफ्रेंड की मम्मी को चोदा

मेरी यह कहानी मेरी गर्लफ्रेंड की मम्मी की चुत चुदाई की है, मैंने आंटी की चुदाई की. इस फ्री सेक्स स्टोरी में मेरा बदला हुआ नाम राहुल है. मैं अभी अपने ग्रेजुयेशन के पहले साल में हूँ और 20 साल […]
Full Story >>>

चाची की चुत की कामवासना और चुदाई

नमस्ते दोस्तो, आज तक अन्तर्वासना पर मैंने बहुत सारी सेक्स स्टोरी पढ़ी हैं. कुछ कहानी बहुत पसंद आई, तो कुछ सिर्फ ठीक ठाक लगीं. लेकिन एक बात पक्की हुई कि मेरा लंड सभी कहानियों को पढ़ कर झूमा. इस पोर्टल […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Indian Gay Site

URL: www.indiangaysite.com **Average traffic per day:** 52 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India We are the home of the best Indian gay porn featuring desi gay men from all walks of life! We have enough stories, galleries & videos to give you a pleasurable time.

Delhi Sex Chat

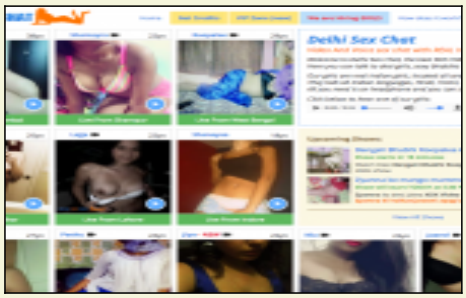

URL: www.delhisexchat.com **Site language:** English **Site type:** Cams **Target country:** India Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Kinara Lane

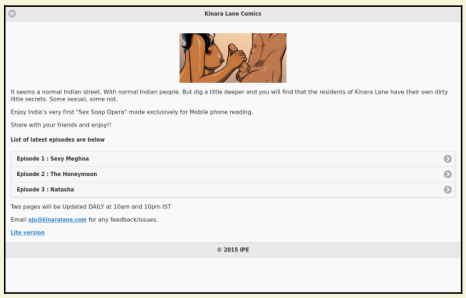

URL: www.kinaralane.com **Site language:** English **Site type:** Comic **Target country:** India A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

Velamma

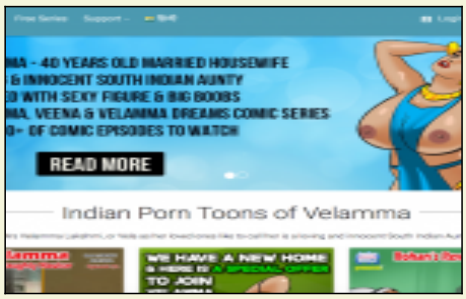

URL: www.velamma.com **Site language:** English, Hindi **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven!

Antarvasna Indian Sex Photos

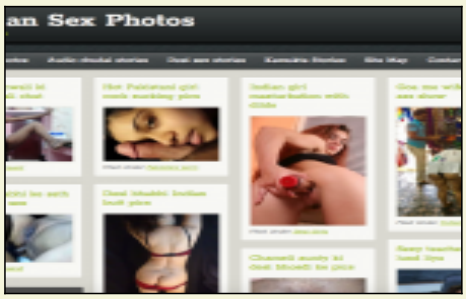

URL: antarvasnaphotos.com **Average traffic per day:** 42 000 GA sessions **Site language:** Hinglish **Site type:** Photo **Target country:** India Free Indian sex photos, sexy bhabhi, horny aunty, nude girls in hot Antarvasna sex pics.

Arab Phone Sex

URL: www.arabphonesex.com **CPM:** Depends on the country - around 1,5$ **Site language:** Arabic **Site type:** Phone sex - IVR **Target country:** North Africa & Middle East Listing of phone sex services for Arabic speaking audience (mobile view).

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire